भारत में कृषि मशीनरी उद्योग पर NCAER की रिपोर्ट

प्रिलिम्स के लिये:

कृषि मशीनरी उद्योग, कृषि शक्ति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी (S&T) क्लस्टर कार्यक्रम, मेक इन इंडिया, कृषि यंत्रीकरण योजना पर उप-मिशन।

मेन्स के लिये:

कृषि मशीनरी उद्योग से संबंधित प्रमुख चुनौतियाँ, कृषि मशीनरी उद्योग को पुनर्जीवित करने के तरीके।

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (National Council of Applied Economic Research- NCAER) द्वारा '**कृषि कार्य मशीनीकरण उद्योग में भारत को वैश्विक हब बनाने**' पर नवीनतम रिपोर्ट जारी की गई।

- NCAER ने **गैर-ट्रैक्टर कृषि मशीनरी उद्योग से संबंधित** मांग और आपूर्ति दोनों पक्षों का गहराई से विश्लेषण किया है। **इस क्षेत्र की चुनौतियों को सामने रखने के साथ ही रिपोर्ट में वैश्विक प्रथाओं को बेंचमार्क मानते हुए उपायों और सुधारों की भी सिफारिश की गई है।**

कृषि मशीनरी उद्योग:

- **कृषि मशीनरी उद्योग** एक ऐसा उद्योग क्षेत्र है जो **कृषि और खेती की गतिविधियों जैसे- जुताई, रोपण, कटाई आदि में उपयोग की जाने वाली मशीनरी, उपकरणों की एक शृंखला का उत्पादन तथा आपूर्ति** करता है।
    - इन **मशीनों को कृषि की उत्पादकता और दक्षता में सुधार करने के लिये** डिज़ाइन किया जाता है तथा इसमें छोटे एवं बड़े पैमाने पर कृषि उपकरणों का निर्माण शामिल है।
- इस उद्योग द्वारा पेश किये जाने वाले उत्पादों के कुछ उदाहरणों में **ट्रैक्टर, कंबाइन हार्वेस्टर, सिंचाई प्रणाली, टिलर आदि शामिल हैं।**

कृषि मशीनरी उद्योग से संबंधित प्रमुख चुनौतियाँ:

- **सीमित घरेलू मांग:**
    - **संगठित कृषि मशीनरी क्षेत्र के उत्पादन** और **छोटे तथा सीमांत भारतीय किसानों** की जरूरतों के बीच सामंजस्य की कमी।
    - हालाँकि राज्य-स्तरीय भिन्नता अधिक है, **वर्ष 2018-19 में भारत में बमुश्किल 4.4% किसान परिवारों के पास ट्रैक्टर था,** 2.4% ने पावर टिलर का इस्तेमाल किया और 5.3% के पास चार मशीनरी वस्तुएँ थीं।
- **गैर-ट्रैक्टर मशीनरी के लिये आयात पर निर्भरता:**
    - **ट्रैक्टर कृषि मशीनरी निर्यात को बढ़ावा देते हैं, जबकि गैर-ट्रैक्टर कृषि मशीनरी आयात को बढ़ावा देती है।**
    - इसके अलावा व्यापार क्षेत्र में भी संतुलन की कमी है, **53% गैर-ट्रैक्टर कृषि मशीनरी का आयात चीन से हो रहा है।**
- **पर्याप्त विद्युत का अभाव:**
    - बोई जाने वाली फसलों की विविधता और सघनता में वृद्धि के साथ **प्रतिवर्तन समय (Turnaround Time) काफी कम हो जाता है।** उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने तथा घाटे को कम करने के लिये समय पर कृषि कार्यों के संचालन हेतु **पर्याप्त विद्युत की उपलब्धता बहुत महत्त्वपूर्ण है।**
    - हालाँकि वर्ष 2018-19 में देश में **कृषि हेतु विद्युत** की उपलब्धता 2.49 किलोवाट/हेक्टेयर रही जो **कोरिया (+7 किलोवाट/हेक्टेयर),**

जापान (+14 किलोवाट/हेक्टेयर), अमेरिका (+7 किलोवाट/हेक्टेयर) की तुलना में बहुत कम है।

फार्म मशीनरी उद्योग का पुनर्विकास:

- **स्थानीय नवाचार को प्रोत्साहन:**
  - स्थानीय शिक्षा संस्थानों में उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण और प्रोत्साहन को बढ़ावा देने सहित **फार्म मशीनरी फर्मों के साथ भी साझेदारी करने का अवसर प्रदान किया जाना चाहिये।**
  - पेटेंट पर मदद हेतु ज़िला-स्तरीय पेटेंट कार्यालयों को खोलने और उन्हें मज़बूती प्रदान करने की आवश्यकता है, साथ ही **राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के पेटेंट कार्यालयों को स्थानीय समुदायों की ज़रूरतों को पूरा करने की आवश्यकता है।**
    - लाइट फार्म मशीनरी और फ्यूचरिस्टिक सटीक खेती में नवाचारों हेतु **अनुसंधान संबद्ध प्रोत्साहन (Research-Linked Incentive- RLI)** की भी सिफारिश की गई है।
- **गैर-ट्रैक्टर कृषि मशीनरी क्लस्टर:**
  - विज्ञान और प्रौद्योगिकी (Science & Technology- S&T) क्लस्टर कार्यक्रम के तत्त्वावधान में गैर-ट्रैक्टर कृषि मशीनरी विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्लस्टर स्थापित करने की आवश्यकता है।
- **भारतीय विनिर्माताओं हेतु समान अवसर:**
  - भारतीय विनिर्माताओं को जिस अनुचित प्रतिस्पर्द्धा का सामना करना पड़ रहा है, उसे देखते हुए यह अनिवार्य किया जाना चाहिये कि **सरकारी सब्सिडी के तहत सरकारी DBT पोर्टल (केंद्रीय और राज्य दोनों) पर बेची जाने वाली कृषि मशीनरी** 'मेक इन इंडिया' **सामानों को प्राथमिकता देने के संबंध में संशोधित सार्वजनिक खरीद मानदंडों** का पालन करे।
  - अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों को बनाए रखते हुए **स्थानीयकरण को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिये।**
- **निर्यात हब हेतु विज़न:**
  - **कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय** कृषि यंत्रीकरण योजना पर उप-मिशन जैसी विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से पहले से ही कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा दे रहा है लेकिन भारत को गैर-ट्रैक्टर कृषि मशीनरी हेतु खुद को **उत्पादन और निर्यात केंद्र में बदलने के लिये अगले 15 वर्षों हेतु दीर्घकालिक विज़न की आवश्यकता है।**

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ncaer-report-on-farm-machinery-industry-in-india